कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (32) खण्ड -{63}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सत्य बाप तुम्हें सब सत्य सुनाते हैं, ऐसे सच्चे बाप से सदा सच्चे रहकर अन्दर में क्या नहीं रखनी है ?

A- चिंता

B- भय

C- झूठ कपट

D- हलचल

प्रश्न 2- जो बच्चे अपने ईश्वरीय संस्कारों को कार्य में लगाते हैं उनके ..... ?

A- हर काम स्वतः बन जाते हैं।

B- वो मनुष्य से देवता बन जाते हैं।

C- उनके व्यर्थ संकल्प स्वत: खत्म हो जाते हैं।

D- वो चढ़ती कला में आ जाते हैं।

प्रश्न 3- योग करने से पहले किस विषय (सब्जेक्ट) में उत्कृष्टता होनी जरूरी है ?

A- धारणा

B- ज्ञान

C- सेवा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- सबसे अच्छी सेवा कहां हो सकती है।

A- म्यूजियम

B- प्रदर्शनी

C- सेन्टर

D- शिव मन्दिर

प्रश्न 5- तुम..... कामधेनु के बच्चे और बच्चियाँ हो, तुम्हें सबकी मनोकामनाएं पूरी करनी हैं, अपने बहन-भाइयों को सच्चा रास्ता बताना है। उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करो ?

A- महालक्ष्मी

B- जगत अम्बा

C- राज राजेश्वरी

D- जगत माता

प्रश्न 6- विश्व की महारानी किसे कहा जाता है ?

A- दुर्गा

B- जगदम्बा

C- सरस्वती

D- लक्ष्मी

प्रश्न 7- ब्राह्मण जीवन की विशेषता क्या है ?

A- पवित्रता

B- सन्तुष्टता

C- शांति

D- ख़ुशी

प्रश्न 8- असन्तुष्टता का कारण क्या है ?

A- ज्ञान में कमी

B- योग में कमी

C- अप्राप्ति

D- अलबेलापन

प्रश्न 9- ज्ञान का फाउंडेशन (आधार) क्या है ?

A- सेवा

B- योग

C- निश्चय

D- धारणा

प्रश्न 10- किस अलौकिक नशे मे रहो तो मन और तन से नेचुरल डांस होती रहेगी ?

A- वाह बाबा वाह

B- वाह रे मैं

C- वाह सेवा वाह

D- वाह मेरा भाग्य

प्रश्न 11- शिव बाबा किस रूप से माया से हमें छुड़ा देते हैं ?

A- डॉक्टर

B- बैरिस्टर

C- सर्जन

D- जज

प्रश्न 12- कौन सी एक बात सिद्ध कर दो तो तुम्हारी जीत है ?

A- वह लिबरेटर है, सर्व का सद्गति दाता है।

B- वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है।

C- पतित-पावन भी एक ही बाप है।

D- भगवान एक है तो दूसरे कोई को भगवान कह नहीं सकते।

प्रश्न 13- सिक्ख लोग समझते हैं अकालतख्त अमृतसर में है, परन्तु अकाल तख्त कहां है ?

A- राज्य तख्त

B- महतत्व

C- भृकुटि का तख्त

D- मधुबन में

प्रश्न 14- शिव बाबा ने कांटों को फूल बनाया है, इसलिए उन्हें कहते हैं ?

A- गुलाब का फूल

B- कमल फूल

C- सद्गतिदाता

D- बबुलनाथ

प्रश्न 15-जो खूब पैसा कमाने की इच्छा रखते हैं, समझते हैं हमारे पुत्र पौत्रे खायेंगे। परन्तु यह कामना किसी की पूर्ण क्यों नहीं होगी ?

A- पुत्र-पौत्रे छोड़कर चले जायेंगे

B- दिवाला निकल जायेगा

C- यह सब मिट्टी में मिल जाना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- जो मनुष्य बहुत गन्दे विचार रखकर यहां आते हैं, उनको क्या कहा जाता है ?

A- पतित

B- विकारी

C- अजामिल

D- कीचक

भाग (32) खण्ड {63} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.झूठ कपट*

मीठे बच्चे - सत्य बाप तुम्हें सब सत्य सुनाते हैं, ऐसे सच्चे बाप से सदा सच्चे रहना है, *अन्दर में कोई भी झूठ कपट नहीं रखनी है*

उत्तर 2- *C.उनके व्यर्थ संकल्प स्वत: खत्म हो जाते हैं*

जो बच्चे अपने ईश्वरीय संस्कारों को कार्य में लगाते हैं उनके व्यर्थ संकल्प स्वत: खत्म हो जाते हैं। सफल करना माना बचाना या बढ़ाना। ऐसे नहीं पुराने संस्कार ही यूज करते रहो और ईश्वरीय संस्कारों को बुद्धि के लॉकर में रख दो।

उत्तर 3- *B.ज्ञान*

अपने को स्वयं परमात्मा द्वारा मुख्य धारणा योग्य प्वाइन्ट मिली हुई हैं वो है *मुख्य योग लगाना परन्तु योग के पहले ज्ञान चाहिए।* योग करने के लिये पहले ज्ञान क्यों कहते हैं? पहले सोचना, समझना और बाद में योग लगाना.. हमेशा ऐसे कहा जाता है पहले समझ चाहिए, नहीं तो उल्टा कर्म चलेगा इसलिए पहले ज्ञान जरूरी है।

उत्तर 4- *A.म्यूजियम*

सेन्टर की सर्विस से प्रदर्शनी की सर्विस अच्छी होती है। प्रदर्शनी से म्युजियम में अच्छी होती है। म्युजियम में शो करते हैं अच्छी तरह से, फिर जो देखकर जाते हैं औरों को सुनाते रहेंगे। यह तो पिछाड़ी तक चलता रहेगा।

उत्तर 5- *B.जगत अम्बा*

तुम *जगत अम्बा* कामधेनु के बच्चे और बच्चियाँ हो, तुम्हें सबकी मनोकामनाएं पूरी करनी हैं, अपने बहन-भाइयों को सच्चा रास्ता बताना है"

उत्तर 6- *D.लक्ष्मी*

जगत अम्बा को जगत की माता और *लक्ष्मी को विश्व की महारानी कहा जाता है।* विश्व अम्बा कहो वा जगत अम्बा कहो बात एक ही है।

उत्तर 7- *B.संतुष्टता*

ब्राह्मण जीवन की विशेषता सन्तुष्टता है। सन्तुष्टता ही बड़े ते बड़ा खजाना है। सन्तुष्टता ही ब्राह्मण जीवन के प्योरिटी की पर्सनालिटी है। इस पर्सनालिटी से विशेष आत्मा सहज बन जाते हैं। सन्तुष्टता की पर्सनालिटी नहीं तो विशेष आत्मा कहला नहीं सकते हैं।

उत्तर 8- *C.अप्राप्ति*

असन्तुष्टता का कारण अप्राप्ति होती है। सन्तुष्टता का कारण है सर्व प्राप्तियां, इसलिए बापदादा ने आप सभी ब्राह्मण बच्चों को ब्राह्मण जन्म होते ही पूरा वर्सा दे दिया ना या किसको थोड़ा, किसको बहुत दिया? बापदादा सदैव सब बच्चों को यही कहते कि बाप और वर्से को याद करना है। वर्सा है सर्व प्राप्तियां।

उत्तर 9- *C.निश्चय*

ज्ञान का फाउन्डेशन है निश्चय, निश्चयबुद्धि बन पुरुषार्थ करो तो मंजिल तक पहुँच जायेंगे"। निश्चय-बुद्धि हो

फिर पुरुषार्थ करना है।हरेक बात में पहले तो निश्चय चाहिए कि कौन हमको समझाते हैं।

उत्तर 10- *B.वाह रे मैं*

इसी अलौकिक नशे मे रहो “वाह रे मैं" तो मन और तन से नेचुरल डांस होती रहेगी

उत्तर 11- *B.बैरिस्टर*

यहाँ तुम बच्चे फिर शिवबाबा से शक्ति लेते हो, माया पर जीत पाते हो। *बाप बैरिस्टर है, जो माया से तुम्हें छुड़ा देते हैं।* तुम फिर हो शिव शक्ति सेना, माताओं को ऊंच रखा है वन्दे मातरम्।

उत्तर 12- *B.वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है*

परमपिता परमात्मा तो एक ही है, उनकी महिमा बड़ी भारी है। *वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है। एक बात सिद्ध

की तो तुम्हारी जीत है।* फिर गीता का भगवान भी सिद्ध हो जायेगा।

उत्तर 13- *B.महतत्व*

सिक्ख लोग समझते हैं अकालतख्त अमृतसर में है परन्तु अकाल तख्त तो महतत्व है। हम आत्मायें भी वहाँ के रहने वाले हैं। गाते भी हैं - बाबा आप अपना तख्त छोड़कर आओ। वह सर्व के लिए शान्ति का तख्त है।

उत्तर 14- *D.बबुलनाथ*

शिव के भी अनेक नाम रखे हैं। बबुलनाथ का भी मन्दिर है। *कांटों को फूल बनाया है, इसलिए बबुलनाथ कहते हैं।* ऐसे बहुत नाम है, जिसका अर्थ तुम समझा सकते हो।

उत्तर 15- *C.यह सब मिट्टी में मिल जाना है*

मनुष्य तो घोर अन्धियारे में हैं। खूब पैसा कमाने की इच्छा रखते हैं, समझते हैं हमारे पुत्र-पौत्रे खायेंगे। *परन्तु यह कामना किसी की पूर्ण नहीं होगी। यह सब मिट्टी में मिल जाना है।* यह दुनिया ही खत्म होनी है। एक ही बॉम्ब लगा तो सब खत्म हो जायेंगे।

उत्तर 16- *D.कीचक*

यह दुनिया तो बड़ी गन्दी है, कीचक की कहानी है ना। *मनुष्य बहुत गन्दे विचार रखकर आते हैं, उनको कीचक कहा जाता है शास्त्रों मे वर्णित है कि कीचक की मृत्यु कुदृष्टि के कारण हुई थी।* इसलिए बाबा कहते हैं बड़ी सम्भाल रखनी है । बहुत कांटो की दुनिया है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (32) खण्ड -{64}

प्रश्न 1- जो ..... हिसाब-किताब नहीं चुक्तू कर सके तो कर्म भोग से चुक्तू करना होगा।

A- क्षमा मांगकर

B- पवित्र बनकर

C- योगबल से

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए बी.के. बनते हैं, उनको क्या कहा जाता है?

A- कुलभूषण

B- अधर

C- ब्राह्मण

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- यदि देहधारी को याद किया तो वह क्या हो जायेगा ?

A- विकर्म

B- पाप

C- टाइम वेस्ट

D- पदभ्रष्ट

प्रश्न 4- निम्नलिखित आरोही क्रम में दिये गये पार्ट में सबसे ऊंचे पार्ट के क्रम का चयन कीजिए ?

A- जगत अम्बा > लक्ष्मी > नारायण

B- लक्ष्मी > जगत अम्बा> नारायण

C- नारायण > लक्ष्मी > जगत अम्बा

D- लक्ष्मी > नारायण जगत > अम्बा

प्रश्न 5- एक "बाबा' शब्द में सारा आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान समाया हुआ क्यों कहा जाता है ?

A- वो रचयिता है।

B- वो सर्वव्यापी है।

C- वो बीज है।

D- वो नॉलेजफुल है।

प्रश्न 6- इनमे से कौन सा कथन सही नही है ?

A- तुम नाथ तो बनते हो सिर्फ एक शिवपुरी के।

B- तीनों लोकों का ज्ञान मिला है, इसलिए त्रिलोकीनाथ कहा जाता है।

C- लक्ष्मी-नारायण को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।

D- सिर्फ तुम ही त्रिकालदर्शी बन सकते हो।

प्रश्न 7- तुम्हें किसी भी देहधारी के..... में नहीं फंसना है।

A- चक्कर

B- धन

C- नाम रूप

D- गुण

प्रश्न 8- तुम सब पहले मूलवतन अपने.....में जायेंगे, फिर ससुरघर में आना है

A- बडे घर

B- छोटे घर

C- पियरघर

D- लौकिक

प्रश्न 9- मोचरा खाकर मानी मिले तो क्या कहा जायेगा ?

A- अच्छा

B- भाग्य

C- बेइज्जती

D- नसीब

प्रश्न 10- निम्नलिखित में कौन सा सही नही है ?

A- निराकार - गॉडफादर

B- छोटी मां - मम्मा

C- बड़ी माँ - ब्रह्मा

D- जगत पिता- शिव

प्रश्न 11- संसार में सर्वश्रेष्ठ बल किसका बल है।

A- प्रेम

B- शांति

C- पवित्रता

D- संगठन

प्रश्न 12- आस्तिक किस युग में होते हैं ?

A- कलयुग में

B- सतयुग में

C- द्वापरयुग में

D- संगमयुग में

प्रश्न 13- पाप का घड़ा फूटने से ही जयजयकार होती है, इसकी कौन सी निशानी भक्तिमार्ग में है ?

A- घड़े से सीता निकली

B- घड़े से राधा निकली

C- घड़े से मेनका निकली

D- A और B

प्रश्न 14- इनमे से कौन सा अलंकार विष्णु का अलंकार नही है ?

A- शंख

B- चक्र

C- मुकुट

D- पदम्

प्रश्न 15- सृष्टि का मालिक कौन बनता है ?

A- ब्रह्मा- सरस्वती

B- ब्रह्मा-विष्णु- शंकर

C- परमपिता परमात्मा

D- देवी- देवता

प्रश्न 16- भागवत में कृष्ण के चरित्र है, लेकिन चरित्र होना चाहिए ?

A- ब्रह्मा का

B- सरस्वती का

C- ब्राह्मणों का

D- शिवबाबा का

भाग (32) खण्ड {64} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.योगबल*

जितना बीमारी जास्ती हो खुशी होनी चाहिए। नाचना चाहिए। कर्मभोग है, हिसाब-किताब तो चुक्तु करना ही है, इससे डरना नहीं है। *समझना चाहिए हम योगबल से विकर्म विनाश नहीं कर सकते हैं तो कर्म भोगना से चुक्तू करना पड़े, इसमें मूँझने की बात ही नहीं है।* यह तो शरीर पुराना है। यह जल्दी खत्म हो तो अच्छा है।

उत्तर 2- *B.अधर*

यहाँ मन्दिर भी एक्यूरेट बने हुए हैं। कुवांरी कन्या का भी मन्दिर है। *अधर कुमारी का अर्थ थोड़े ही समझते हैं। जो गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए बी.के. बनते हैं, उनको ही अधर कहा जाता है।* कुमारी तो कुमारी ही है। तुम्हारे यादगार में पूरा मन्दिर बना हुआ है।

उत्तर 3- *C.टाइम वेस्ट*

वास्तव में बच्चों को याद करना एक बाप को ही है। देहधारी को याद किया तो वह टाइम वेस्ट हो जायेगा। ऐसा तो हो नहीं सकता कि कोई निरन्तर याद करे। ऐसी कोई चीज़ नहीं जिसे निरन्तर याद किया जाए।

उत्तर4- *A.जगतअम्बा>लक्ष्मी>नारायण*

जगत अम्बा के मन्दिरों में आते हैं दर्शन करने। बाबा समझेंगे इनकी बुद्धि में कुछ बैठा नहीं है। तुम्हारी तो सब मनोकामनायें पूरी हो रही हैं ना। *जगत अम्बा का पार्ट एक्यूरेट चल रहा है। बरोबर जगत अम्बा का पार्ट ऊंचा है। पहले लक्ष्मी पीछे नारायण।*

उत्तर 5 - *C.वो बीज है*

एक “बाबा" शब्द में सारा आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान समाया हुआ है क्योंकि बीज है ना। बीज में तो सारा झाड़ समाया हुआ होता है ना। विस्तार भूल सकता है लेकिन सार एक बाबा शब्द - यह याद रहना मुश्किल नहीं है।

उत्तर 6 - *B.तीनों लोकों का ज्ञान मिला है, इसलिए त्रिलोकीनाथ कहा जाता है*

बाप ब्रह्मा द्वारा सभी वेदों शास्त्रों का सार समझा रहे हैं *तुमको त्रिकालदर्शी बना रहे हैं। ऐसे नहीं कि तुम त्रिलोकीनाथ बनते हो। नहीं, तुम नाथ तो बनते हो सिर्फ एक शिवपुरी के।* उनको लोक नहीं कहेंगे। तीनों लोकों का ज्ञान मिला है इसलिए त्रिलोकदर्शी कहा जाता है। *लक्ष्मी-नारायण को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।* विष्णु को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।

उत्तर 7- *C.नाम रूप*

मीठे बच्चे - *तुम्हें किसी भी देहधारी के नाम रूप में नहीं फँसना है,* तुम अशरीरी बन बाप को याद करो तो आयु बढ़ेगी, निरोगी बनते जायेंगे"

उत्तर 8- *C. पियरघर*

तुम सब पहले मूलवतन अपने पियरघर जायेंगे फिर ससुरघर में आना है। पहले शिवबाबा के पास तो सलामी भरनी ही है, फिर आयेंगे सतयुग में।

उत्तर 9- *C.बेइज्जती*

विकर्म हैं तब तो खांसी आदि होती है। खुशी होती है, यहाँ ही सब हिसाब खत्म हो जाएं, रह जायेंगे तो पास विद ऑनर नहीं होगे। *मोचरा खाकर मानी मिले तो भी बेइज्जती है ना।* अनेक प्रकार के दु:ख की भोगना होती है।

उत्तर 10 - *D.जगत पिता शिव*

बड़ा मेला लगता है जगत अम्बा का, कोई न कोई प्रकार से माँ की पूजा होती है। वह जगत अम्बा है तो वह जगत पिता है। *निराकार को ही कहा जाता है गॉड फादर* छोटी माँ भी है, बड़ी माँ भी है। महिमा छोटी माँ की है, भल एडाप्ट करते हैं, माँ को भी एडाप्ट किया है, तो *यह बड़ी माँ हो गई। परन्तु महिमा सारी छोटी माँ की है।*

उत्तर 11- *C.पवित्रता*

स्लोगन:- *संसार में सर्वश्रेष्ठ बल पवित्रता का बल है।*

उत्तर 12 - *D.संगमयुग में*

इस संगम पर तुम आत्म-अभिमानी भी बनते हो और परमात्मा को जानने वाले आस्तिक भी बनते हो। आस्तिक उनको कहा जाता है जो परमपिता परमात्मा और उनकी रचना को जानते हैं। *आस्तिक न कलियुग में, न सतयुग में होते हैं, संगम पर ही होते हैं।*

उत्तर 13- *D .A और B*

दिखाते हैं घड़े से सीता निकली.. अर्थात् *जब पाप का घड़ा भरकर फूटा तब सीता और राधे का जन्म होता है।*

उत्तर 14- *C.मुकुट*

ब्राह्मणों को अभी अलंकार देंगे तो वह अस्त्र-शस्त्र शोभेगा नहीं *इसलिए विष्णु को स्वदर्शन चक्र दिखाते हैं। शंख, चक्र, गदा, पदम अब इनका अर्थ भी तुम समझ गये हो।*

उत्तर 15- *D.देवी- देवता*

कई लोग परमात्मा को मालिक कहकर याद करते हैं। कहते हैं उस मालिक का नाम नहीं है। अच्छा भला वह मालिक कहाँ है? क्या वह विश्व का, सारी सृष्टि का मालिक है? परमपिता परमात्मा तो सृष्टि का मालिक नहीं बनता है, *सृष्टि का मालिक तो देवी-देवता बनते हैं।*

उत्तर 16 - *D.शिवबाबा का*

कृष्ण के चरित्र गाये जाते हैं। परन्तु कृष्ण का चरित्र तो कोई है नहीं। *भागवत में कृष्ण के चरित्र हैं लेकिन चरित्र होना चाहिए - शिवबाबा का।* वह भी बाप, टीचर, सतगुरू है, इसमें चरित्र की क्या बात है।